M.P. HIGHER JUDICIAL SERVICE MAIN EXAMINATION-2019

अनुक्रमांक/Roll No. | | | | |

कुल प्रश्नों की संख्या : 4
Total No. of Questions : 4

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7
No. of Printed Pages : 7

Second Question Paper
द्वितीय प्रश्न–पत्र

WRITING SKILL, COURT PRACTICE, TRANSLATION AND CURRENT LEGAL KNOWLEDGE

समय – 3:00 घण्टे
Time – 3:00 Hours

पूर्णांक – 100
Maximum Marks – 100

निर्देश :–
Instructions :-

1. All questions are compulsory. Please, adhere to the words limit of answers as specified in question paper and such violation may lead to minus marking.

   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। जहाँ प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा प्रश्न के साथ दी गई है, उसका अवश्य पालन करें। उल्लंघन पर ऋणात्मक मूल्यांकन हो सकता है।

.2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any mark of identification in any form or any Number or Name or Mark, by which the Answer Book of a candidate may be distinguished/ identified from others, in any place of the Answer Book not provided for, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.

   उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।

3. In case there is any mistake either or printing or of a factual nature, out of the Hindi and English versions of the question, the English version will be treated as standard.

   यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से अंग्रेजी रूपांतर मानक माना जायेगा।

4. Writing of all answers must be clear & legible. If the writing of Answer Book written by any candidate is not clear or is illegible in view of Valuer/Valuers then the valuation of such Answer Book may not be considered.
   सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर–पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्त्ता/मूल्यांकनकर्त्तागण के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो उसका मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

P.T.O.

Q.1- Write an article in Hindi on any one of the following legal topics :
निम्नलिखित विधिक विषयों में से किसी एक पर हिन्दी में लेख लिखिए : –20

(i) विधि की सम्यक प्रक्रिया ?
Due process of law

(ii) भारतीय संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्तियाँ ?
Power of Parliament to amend the Constitution.

Q.2- Summarize the following legal passage into English (In 120 words)
निम्नलिखित विधिक गद्यांश का अंग्रेजी में संक्षिप्तीकरण कीजिए (120 शब्दों में): –20

For a lawyer a knowledge of the fundamental principles of law is undoubtedly necessary but it is equally necessary for him to have a clear mind quick grasp and analytic approach. He must have the capacity for grasping all the facts of the case in all their interrelations and implications comprehensively, without unnecessary labour be must be able to apply the fundamental principles and rules of law to the facts of the case before him. As Arthur T. Vanderbilt observed in this article on Forensic Persuasion, he must also have the knowledge of human nature in all its manifestations and an ability to get along with the people. He must have a comprehension of the economic, political and intellectual environments of modern litigation. He must have the ability to reason concerning the facts, the law, the personalities involved in the litigation and the environments of a case in such a way as to solve the pending problem in the most satisfactory way possible.

A lawyer must have the capacity to express himself clearly and intelligently. A good command over language is a great asset for him. A case resented in chaste language with moderation and clarity has a great effect on the judge. Over-statement, either of law or fact, must be avoided, under no circumstances he should deliberately make a wrong statement. Once a lawyer acquires a reputation for making wrong statements he becomes a suspect in the eye of the judge and he thereby impairs his capacity to persuade the judge.

It is good to know what a lawyer should be and what he should not be. But what is more important is what he does or he fails to do. That is also true of all professions. Circumstances do have their impact on a person's life. But if we leave aside those uncertain factors, everyone is an architect

of his own future. The prize is always for the brave. There must be a will of succeed, backed up by determination and followed up by preparation. There are men who have succeeded by sheer chance. But their number is few.

KNOWLEDGE OF CURRENT LEADING CASES

Q.3- Briefly state the principles of law or guidelines laid down by the Supreme Court in following cases. Out of given two options, you may choose one :-

निम्नलिखित मामलों में उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित विधि के सिद्धान्तों या मार्गदर्शक सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। दिये गये दो विकल्पों में से आप एक चुन सकते हैं :–

3(a)	Supreme Court Advocates-on-Record Assn. *v.* Union of India, (2016) 5 SCC 1	**OR**	State (NCT of Delhi) *v.* Union of India, (2018) 8 SCC 501	**5**
3(b)	Subramanian Swamy *v.* Union of India, (2016) 7 SCC 221	**OR**	Kalpana Mehta *v.* Union of India, (2018) 7 SCC 1	**5**
3(c)	Vikas Yadav *v.* State of U.P., (2016) 9 SCC 541.	**OR**	Asian Resurfacing of Road Agency (P) Ltd. *v.* CBI, (2018) 16 SCC 299	**5**
3(d)	Modern Dental College & Research Centre *v.* State of M.P. (2016) 7 SCC 353	**OR**	Sunkamma *v.* S. Pushparaj, (2018) 12 SCC 647	**5**
3(e)	Sayyed Ratanbhai Sayeed *v.* Shirdi Nagar Panchayat, (2016) 4 SCC 631	**OR**	Indore Development Authority *v.* Shailendra, (2018) 3 SCC 412	**5**
3(f)	Indian young lawyers Ass. v. State of Kerala 2018 SCC online SC1690	**OR**	Navtej Singh Johar *v.* Union of India (2018) 10 SCC 1	**5**

Q.4(a)- Translate the following 15 Sentences into English :-
निम्नलिखित 15 वाक्यों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :–

–15

(1) धारा 40 के अधीन प्रधान नियोजक की यह बाध्यता है कि वह प्रत्येक कर्मचारी के संबंध में, चाहे वह सीधे उसके द्वारा अथवा किसी मध्यवर्ती नियोजक के द्वारा या उसके मार्फत नियोजित किया गया हो, नियोजक का अभिदाय और कर्मचारी का

अभिदाय, दोनों ही का संदाय करें।

(2) संहिता की धारा 128 (2) में सीमा तथा सर्वेक्षण चिह्नों की मरम्मत के प्रवर्तन पर चर्चा की गई है।

(3) दोनों याचियों ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के अधीन पृथक् याचिकाओं द्वारा निर्वाचन मुल्तवी करने के निर्वाचन आयोग के आदेश तथा 28.12.94 को मतदान कराने के आदेश दिनांक 16.12.94 आक्षिप्त किए हैं।

(4) अतः नियम 23 के पठन मात्र से यह व्यापकतः स्पष्ट है कि नियम 21 के अधीन विहित समय–अनुसूची में आवश्यक संशोधन द्वारा निर्वाचन के लिए समय बढ़ाने की शक्ति निर्वाचन आयोग में निहित है।

(5) वादी, वाद का नियंत्रणकर्ता होता है और उसे किसी ऐसे व्यक्ति को पक्षकार के रूप में जोड़ने के लिए विवश नहीं किया जा सकता जिससे वह लड़ता नहीं है और वह वर्तमान याची को संयोजित करने से इन्कार कर के आवश्यक पक्षकार के असंयोजन के कारण वाद के खारिज किए जाने का जोखिम उठा सकता है।

(6) दावेदार के अनुसार, वह सड़क के किनारे भूमि पर पैर टिका कर खड़ा था जबकि अ.सा. 2 अमृतलाल के अनुसार मोटर साइकिल धीमी गति से आ रही थी तथा सड़क पर अपनी ओर थी।

(7) इनका अधिकरण द्वारा विश्वास किया गया है तथा वे अधिसंभाव्य प्रतीत होते हैं अतः उस साक्षी का विश्वास न करना उचित नहीं होगा, विशेषतः इस तथ्य को देखते हुए कि अधिकरण के पास साक्षी की भावभंगिमा देखने का अवसर था; अतः मोटर साइकिल की मरम्मत के लिए रू. 2,000/– तथा विशेष आहार व्यय, उपचार तथा परिवहन प्रभार के लिए रू. 6,284/– का अधिनिर्णय सही प्रतीत होता है तथा उसमें भी हस्तक्षेप वांछनीय नहीं है।

(8) यद्यपि सरकारी यान में रोगी को ले जाना ड्राइवर का विवेकाधिकार है, तथापि उस समय वह यान खड़ा करने जा रहा था तथा उससे यह अपेक्षित था कि वह यान को वापस उस जगह ले जाए जहाँ उसे रखा जाना था।

(9) अतः पद ''वास्तविक आवश्यकता'' का अभिप्राय कुछ प्राप्त करने की इच्छा से कुछ अधिक है और आत्यंतिक आवश्यकता से बहुत कम है।

(10) इसी प्रकार यह अभिनिर्धारित किया गया था कि यदि वह गैर रिहायशी आवश्यकता का पक्षकथन सिद्ध करता है तब गैर रिहायशी भाग – जो स्थान भी है – से बेदखली आदिष्ट होगी।

(11) यह निवेदन किया गया था कि एक अशमनीय अपराध में समझौते की बात पर कम–से–कम, लघुतर दंडादेश अधिरोपित करने के लिए परिशमनकारी परिस्थिति के

रूप में विचार किया जाना चाहिए।

(12) इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कि पहुँची क्षतियाँ गंभीर नहीं थीं किंतु वे घोर थीं क्योंकि वे चेहरों पर पहुँचाई गई थीं, कि पक्षकार पड़ोसी हैं और यह कि आवेदकगण न्यायालय की कार्यवाही के कारण, जो अब लगभग 14 वर्षो से चल रही है, पहले ही पर्याप्त कष्ट भोग चुके हैं, इस न्यायालय की राय है कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए आवेदकों पर अधिरोपित कारावास के दंडादेश को कम कर के, कारावास का जितना दंड वे भोग चुके हैं, उतना कर देने और जुर्मानों को कायम रखने से न्याय के उद्देश्य की पूर्ति हो जाएगी।

(13) आवेदक के विद्वान अभिभाषक का यह प्रतिवाद भी है कि परिसर का अधिभोग अप्राधिकृत नहीं है और इस मामले में अंतर्ग्रस्त प्रश्न जटिल स्वरूप के हैं, अतः प्राधिकृत अधिकारी को लोक परिसर बेदखली अधिनियम के अधीन कार्यवाही करने की अधिकारिता या प्राधिकार नहीं है तथा, परिणामस्वरूप विवाद के नए सिरे से न्यायनिर्णयन के लिए जिला न्यायाधीश द्वारा संपदा अधिकारी को प्रतिप्रेषण का आदेश अवैध है।

(14) ब्राउन शुगर के धूम्रपान के लिए तीन गोल लपेटे हुए कागज, जो उस (ब्राउन शुगर) में मैले हो गए थे, ब्राउन शुगर के धब्बे पड़े हुए 50 पैसे के दो सिक्के और रू. 56/– उस दियासलाई की डिबिया में पाए गए जो उस फुलपैंट की, जो अभियुक्त उस समय पहने हुआ था, गुप्त जेब से पाए गए थे।

(15) ऐसें विधायी परिप्रेक्ष्य में, सरकार के स्वामित्व की अथवा उसके द्वारा नियंत्रित कंपनियों अथवा निगमों के सेवा निवृत्त कर्मचारियों के बीच कोई विभेद नहीं किया जा सकता था।

Q.4(b)- Translate the following 15 Sentences into Hindi :-
निम्नलिखित 15 वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **–15**

(1) Undoubtedly, under Section 103-A of the 1939 Act, if there was in existence an insurance policy covering the vehicle and the vehicle was transferred then there was no automatic transfer of policy of insurance but it was open to the transferor to apply in the prescribed form to the insurer for transfer of certificate of insurance before the transfer and, if within 15 days of receipt of such application by the insurer, such application had not been refused, the certificate of insurance and the insurance policy, were deemed to have been transferred in favour of the transferee.

(2) Section 6(c) of the General Clauses Act would hardly have any

application to a cause of action in favour of a person who was neither a transferor, nor the transferee of the insured vehicle.

(3) The date of birth of the prosecutrix as 29.11.1964, has been recorded concurrently by both the trial court and the High Court on consideration of the evidence of PW-1, Pandurang, father of the prosecutrix, and PW-13, Vimal, mother of the prosecutrix, corroborated by the age of the prosecutrix recorded in the date of birth register of Greater Bombay Municipal Corporation and the register of Kashibai Hospital, Santa Cruz, where the prosecutrix was born.

(4) If there was no established right of way by way of easement or otherwise and if there had been an apprehension in the mind of the accused that there was a threat of trespass in their land, indisputably they could exercise their right of private defence.

(5) The matter might have, thus, been otherwise if the prosecution could have established that the appellants have exceeded their right of private defence.

(6) The District Forum by order dated 17.10.2001 held that the price quoted was purely tentative and it was likely to be revised on the higher side by the time the houses are completed as there was clear condition to that effect in the advertisement.

(7) The High Court should have ignored the application and should not have put any emphasis thereon as verification of the records would have revealed that the payment had been made.

(8) In this case, we are concerned with the scope and extent of the beneficial consumer jurisdiction, particularly with regard to technical subjects falling under provisions such as the Electricity Act, 2003.

(9) Learned Counsel for the detenu submits that Section 3 (2) permits detention of a person by the Central Government or the State Government only if it is satisfied with respect to any person

that with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the security of the State or from acting in any manner prejudicial to the maintenance of public order or from acting in any manner prejudicial to the maintenance of supplies and services essential to the community, it is necessary so to do.

(10) Coming to the plea of waiver sought to be urged by the learned counsel for the appellant, I am afraid, the same can not be entertained at a second appellate stage for the first time for many fold reasons.

(11) The petitioner has contended before us that the State Police can not be entrusted with the investigation in this case, as the investigation already conducted by the State Police is biased.

(12) According to his report the death had occurred on account of toxacemic shock due to the rupture of intestine.

(13) He has invited attention to paragraph 50 of the judgment in which the learned Judge has duly recorded how the incident was originated and how from the reports of the doctor it was clear that there was liberal pelting of stones between the parties and it was not clear as to whose stone caused the injury in the abdomen of deceased Narwe Singh, if at all any injury was caused to him.

(14) It can not, however, be disputed that while deciding the rate of land for determining the compensation, several factors such as potentiality of land, its location, surroundings, prices of land sold in near proximity of the acquired land and appreciation of value of land at the rate 15% for every subsequent year can be taken note of.

(15) We are conscious of our duty to ensure that great care, caution and restraint is to be applied while entertaining such writs lest the jurisdiction is misused for personal gains or for publicity stunt under the garb of public interest litigation.

*****